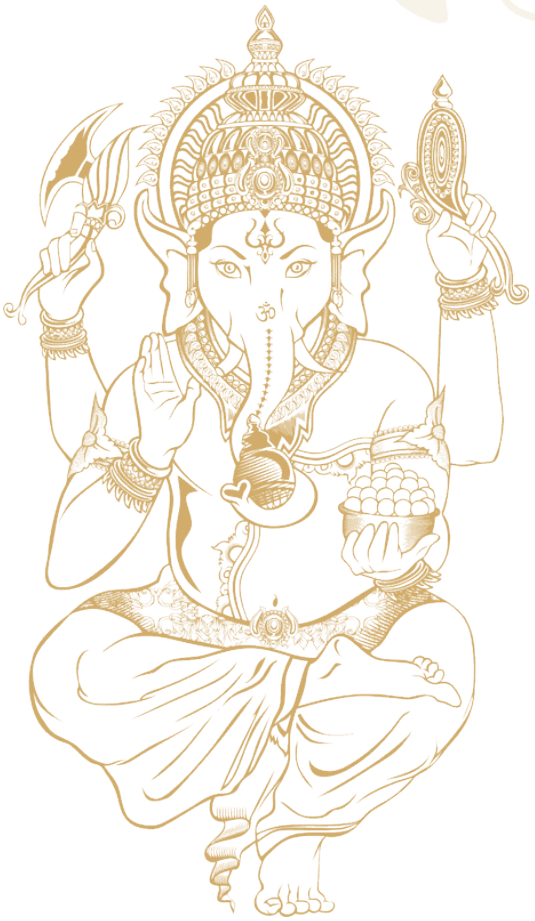

Mr.

16 Dec 1993

07:52 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121600702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/12/1993**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:52:00 घंटे**
इष्ट	31:52:19 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:30:52 घंटे
वेलान्तर	00:04:25 घंटे
साम्पातिक काल	01:11:48 घंटे
सूर्योदय	07:07:04 घंटे
सूर्यास्त	17:26:29 घंटे
दिनमान	10:19:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:52:31 धनु
लग्न के अंश	03:57:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	03:57:23	307:37:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			धनु	00:52:31	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	11:26:41	13:06:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	धनु	03:38:56	00:45:01	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	20:46:17	01:32:26	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	13:24:49	00:10:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	23:20:08	01:15:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
शनि			कुंभ	01:52:51	00:04:41	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:06:34	00:03:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:06:34	00:03:29	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:55:39	00:03:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
नेप			धनु	26:07:23	00:02:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	02:46:19	00:02:11	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	25:40:29	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:37

लग्न-चलित

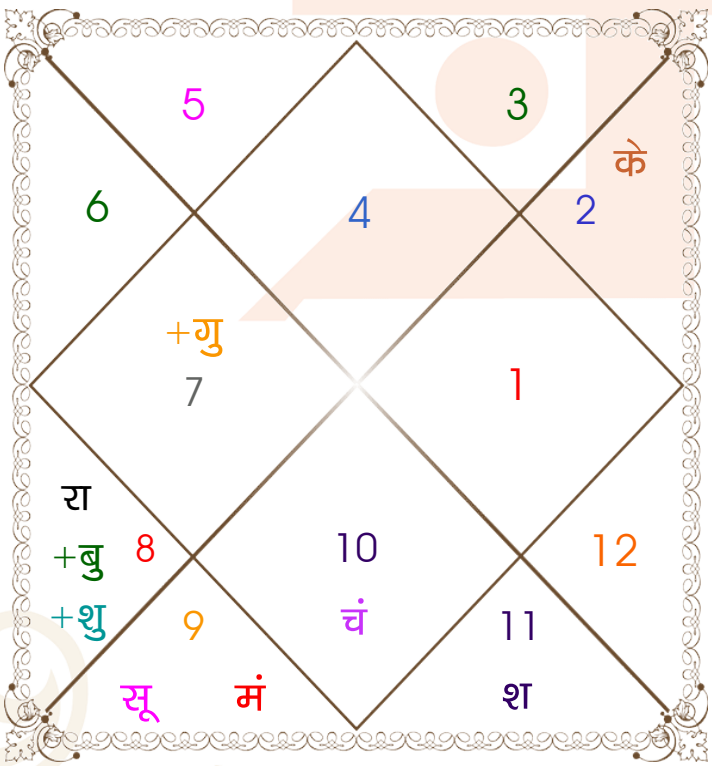

चन्द्र कुंडली

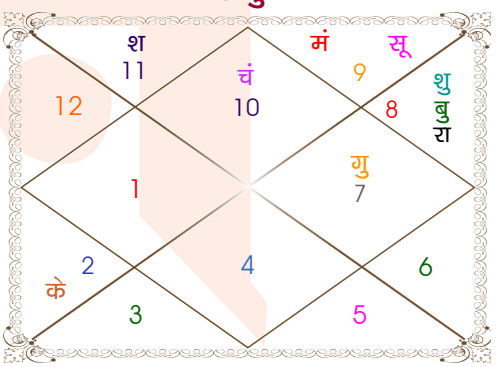

नवमांश कुंडली

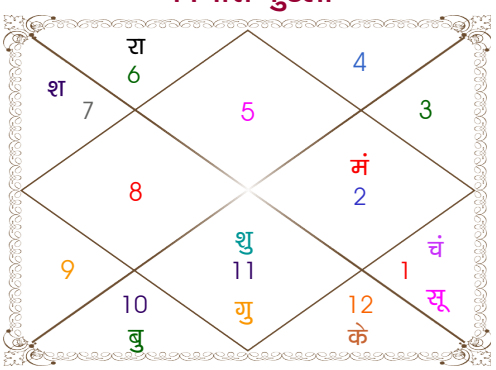

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 10 मास 30 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/12/1993		16/11/2002		16/11/2009		16/11/2027		16/11/2043	
16/11/2002		16/11/2009		16/11/2027		16/11/2043		16/11/2062	
	16/12/1993	मंगल	14/04/2003	राहु	29/07/2012	गुरु	04/01/2030	शनि	19/11/2046
मंगल	17/04/1994	राहु	02/05/2004	गुरु	23/12/2014	शनि	17/07/2032	बुध	29/07/2049
राहु	17/10/1995	गुरु	08/04/2005	शनि	29/10/2017	बुध	23/10/2034	केतु	07/09/2050
गुरु	15/02/1997	शनि	17/05/2006	बुध	17/05/2020	केतु	29/09/2035	शुक्र	07/11/2053
शनि	16/09/1998	बुध	15/05/2007	केतु	04/06/2021	शुक्र	30/05/2038	सूर्य	20/10/2054
बुध	16/02/2000	केतु	11/10/2007	शुक्र	04/06/2024	सूर्य	18/03/2039	चंद्र	20/05/2056
केतु	16/09/2000	शुक्र	10/12/2008	सूर्य	29/04/2025	चंद्र	17/07/2040	मंगल	29/06/2057
शुक्र	17/05/2002	सूर्य	17/04/2009	चंद्र	29/10/2026	मंगल	23/06/2041	राहु	05/05/2060
सूर्य	16/11/2002	चंद्र	16/11/2009	मंगल	16/11/2027	राहु	16/11/2043	गुरु	16/11/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/11/2062		16/11/2079		16/11/2086		17/11/2106		17/11/2112	
16/11/2079		16/11/2086		17/11/2106		17/11/2112		00/00/0000	
बुध	14/04/2065	केतु	13/04/2080	शुक्र	18/03/2090	सूर्य	07/03/2107	चंद्र	17/09/2113
केतु	11/04/2066	शुक्र	14/06/2081	सूर्य	18/03/2091	चंद्र	05/09/2107	मंगल	17/12/2113
शुक्र	09/02/2069	सूर्य	19/10/2081	चंद्र	16/11/2092	मंगल	11/01/2108		00/00/0000
सूर्य	16/12/2069	चंद्र	20/05/2082	मंगल	16/01/2094	राहु	05/12/2108		00/00/0000
चंद्र	18/05/2071	मंगल	17/10/2082	राहु	15/01/2097	गुरु	23/09/2109		00/00/0000
मंगल	14/05/2072	राहु	04/11/2083	गुरु	16/09/2099	शनि	05/09/2110		00/00/0000
राहु	01/12/2074	गुरु	10/10/2084	शनि	17/11/2102	बुध	12/07/2111		00/00/0000
गुरु	08/03/2077	शनि	19/11/2085	बुध	17/09/2105	केतु	17/11/2111		00/00/0000
शनि	16/11/2079	बुध	16/11/2086	केतु	17/11/2106	शुक्र	17/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।